द.आई.सी.एफ.ए.आई विश्वविद्यालय, रायपुर में आई स्पर्धा 2025 का त्रिदिवसीय आयोजन सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. दुबे एवं कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय के करकमलों से शुभारम्भ किये गए त्रिदिवसीय खेल प्रतियोगिता में कैरम (छात्र/ छात्रा) टेबल टेनिस (दो वर्ग) शतरंज क्रिकेट (दो वर्ग) व्हालीबाल (दो वर्ग), रानीग 100 मीटर, 400 मीटर, जेवलिन थ्रो, सहित अन्य कई प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. दुबे ने उद्बोधन देते हुए जीवन में अपना कोई निश्चित लक्ष्य निर्धारित करने की बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा मन सक्रिय होना चाहिए और अपने लक्ष्य, कर्मपथ की ओर कर्म होना चाहिए सुदृढ़ता के साथ हर कठिनाई संघर्ष का सामना करते हुए किसी मंजिल को प्राप्त करना ही सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए जीत के लिए लक्ष्य साधने का सन्देश दिया। विगत दो दिवस में सभी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा एवं पुरुस्कार वितरण होने वाले वार्षिकोत्सव में प्रदान किया जायेगा। समापन समारोह में कुलपति डॉ. दुबे ने

उद्बोधन देते हुए जीवन में अपना कोई निश्चित लक्ष्य निर्धारित करने की बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा मन सक्रिय होना चाहिए और अपने लक्ष्य, कर्मपथ की ओर कर्म होना चाहिए सुदृढ़ता के साथ हर कठिनाई संघर्ष का सामना करते हुए किसी मंजिल को प्राप्त करना ही सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए जीत के लिए लक्ष्य साधने का सन्देश दिया। कुलपति महोदय ने सभी को जीत की बधाई दी और विद्यार्थियों जिन्होंने किन्ही कारणों से जीत हासिल नहीं कर सके उन्हें भी आगे जीवन की सफलताओ के लिए संबल प्रदान किया।

चञ्चलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलदृधम्।
तस्याहं निग्रहं मनये वयोरिव सुदुष्करम्॥

अर्थात् हे कृष्ण चूंकि मन चंचल, अस्तिथा, और अत्यंत बलवान है, अतः मुझे इसे वश में करना वायु को वश में करने से भी अधिक कठिन लगता है। खेलकूद कि प्रतियोगिताओं में जाकर अनुशासन और शिष्टाचार की भावना बलवति होती है। ऐसे में अन्य बातो में उलझने का समय नहीं होता। शारीरिक और मानसिक मजबूती से हमारे भीतर आत्मविश्वास आता है। और देश और समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनने का जज्बा भरता है आप सभी को आने वाली हर प्रतियोगिताओं के लिए बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी। तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा एवं पुरुस्कार वितरण होने वाले वार्षिकोत्सव में प्रदान किया जायेगा। विगत दो दिवस में सभी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कुलसचिव ने धन्यवाद् ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सयोजक हेमंत कुमार देवांगन, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस दुबे एवं व्यवस्थापक डॉ. रमेश यादव सहित आशीष कुंभारे सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थीगण, बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। एवं इस त्रिदिवसीय आयोजन में सभी ने अपनी अहम् भूमिका निर्वहन की।